Syllabus and **Semester** *Course Scheme*
Academic year 2025-26

B.A. – Sanskrit

Exam.-2025 - 2026

UNIVERSITY OF KOTA

MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India
Website: uok.ac.in

BACHELOR OF ARTS
SUBJECT - SANSKRIT
SCHEME OF SEMESTER EXAMINATION, 2025-2026
Course Code : SAN 5117 T

Credits : **06** Period per week- **06**

Each Theory Paper 3 hrs. duration 100 Marks

Internal Assessment 50 Marks

Total= 150

Continuous Assessment Weightage					**External Assessment Weightage**	**Total Marks (Total Credit)**
Regular Students		**Private Students**		**Total**	Paper Based External Evaluation (End Tarm Examination)	
Mid-Term	Seminar/Project Report/Presentation	Report Writing	Viva-voce			
30	20	30	20	**50**	100	**150 (06)**

Semester Programme Structure

Year/ Semester	**Serial Number, Code & Nomenclature of Paper**			**Duration of Exam**	**Teaching Hrs/ Week & Credit**			**Distribution of Marks**			**Min. Pass Marks**	
	Number	Paper/ Code	Nomenclature		L	P	C	Internal Assess.	Sem. Assess.	Total Marks	Internal Assess.	Sem. Assess.
I Year/ I Semester	1.1	Paper-I SAN 101	पद्य, कथासाहित्य, व्याकरण एवं अलंकार	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ II Semester	1.2	Paper-II SAN 102	नाटक, काव्य, भारतीय संस्कृति के तत्त्व एवं व्याकरण	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
	1.7& 1.8	Hin107/108 Eng107/108	Genral Hindi/English	1.5Hrs	2		2		50	50		20
II Year/ IIISemester	2.1	Paper-I SAN 201	नाटक, छन्द, संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
II Year/ IVSemester	2.2	Paper-II SAN 202	वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य एवं व्याकरण	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
	2.7& 2.8	Com207/208 Env207/208	Computer Application/ Environmental Science	1.5 Hrs	2		2		50	50		20
III Year/ V Semester	3.1	Paper-I SAN 301	अ) भारतीय धर्म, दर्शन एवं व्याकरण (ब) प्राचीन व अर्वाचीन पद्य साहित्य एवं व्याकरण (स) प्राचीन व अर्वाचीन गद्य, नाट्य साहित्य एवं व्याकरण	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40
III Year/ VISemester	3.2	Paper-II SAN 302	(अ) काव्य, दर्शन, व्याकरण एवं निबन्ध (ब) प्राचीन एवं अर्वाचीन पद्य साहित्य, व्याकरण	3 Hrs	6	--	6	50	100	150	20	40

			(स) प्राचीन एवं अर्वाचीन नाट्य, गद्य साहित्य, व्याकरण एवं निबंध									
				Total	**40**	**-**	**40**	**300**	**700**	**1000**		

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)

विद्यार्थियों के सम्पूर्ण विकास को ध्यान में रखते हुए संस्कृत विशय का पाठ्यक्रम प्रारूप निर्मित किया गया है। संस्कृत भाशा की परियशुद्धि एवं परिमार्जन का ज्ञान करवाना तथा उसके शास्वत सिद्धान्तों में कर्तव्यनिष्ठा, लोकादर्श, चरित्र निर्माण, समता, राष्ट्रीयता, अन्ताराष्ट्रीय ज्ञान विज्ञान, प्रकृति पर्यावरण संरक्षण आदि विविध विषयों के माध्यम से मानव समाज का उपकार करना मुख्य ध्येय रखा है

बी.ए. सेमेस्टर तृतीय
संस्कृत साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र– नाटक, छन्द, संस्कृत साहित्य का इतिहास एवं व्याकरण
Paper **Code : SAN 201**

समयः 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. इकाई प्रथम– अभिज्ञानशाकुन्तलम् (एक से चार अंक)
2. इकाई द्वितीय– अभिज्ञानशाकुन्तलम् (पांच से सात अंक)
3. इकाई तृतीय– छन्द प्रकरणम् (अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रयुक्त समस्त छन्द)
4. इकाई चतुर्थ– संस्कृत साहित्य का इतिहास (वीरकाव्य, महाकाव्य, गद्यकाव्य, नाटकसाहित्य, कथासाहित्य)
5. इकाई पंचम– पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (अभिज्ञानशाकुन्तलम्)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक पद्य की व्याख्या संस्कृत माध्यम से और एक पद्य की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई द्वितीय से एक पद्य की सप्रसंग व्याख्या (8 अंक) और दो सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या (2×4=8)। इकाई तृतीय से दो छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण संस्कृत में देते हुए हिन्दी में स्पष्टीकरण देना है, उदाहरण अभिज्ञान शाकुन्तलम् के ही मान्य होंगे (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ एवं पंचम से एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी प्रष्टव्य है।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ –

1. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – व्याख्याकार डॉ. निरूपण विद्यालङ्कार, साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – व्याख्याकार डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी
3. अभिज्ञानशाकुन्तलम् – व्याख्याकार डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी
4. छन्दः प्रवेशिका – (प्रभा हिन्दीटीकोपेता) नई दिल्ली।
5. छन्दोमंजरी – सं. डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला।
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. बलदेव उपाध्याय।
8. संस्कृत साहित्य का प्राचीन एवं अर्वाचीन इतिहास – डॉ. रामसिंह चौहान, रितु प्रकाशन, जयपुर
9. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. विश्वनाथ शर्मा।

बी.ए. सेमेस्टर चतुर्थ
संस्कृत साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र – वैदिक साहित्य, गद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण

Paper **Code : SAN 202**

समयः 3 घण्टे **पूर्णांक–100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जायेगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10 2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में हो। 5 16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाइयों में विभाजित होगा –

1. इकाई प्रथम– वैदिक साहित्य (ऋग्वैदिक सूक्त) 1. अग्नि (1.1) 2. वरुण (1.25) 3. विष्णु (1.154) 4. इन्द्र (2.12) 6. पुरूष (10.90) 7. संज्ञान (10.191)।
2. इकाई द्वितीय– उपनिशद् (ईशावास्योपनिषद्)
3. इकाई तृतीय– गद्य साहित्य (शुकनासोपदेश)
4. इकाई चतुर्थ– व्याकरण– कारक प्रकरणम्।
5. इकाई पंचम– लघु सिद्धान्त कौमुदी (हलन्त प्रकरण)– 1. लिह् 2. विश्ववाह् 3. चतुर् (तीनों लिंगो में) 4. इदम् (तीनों लिंगों में) 5. राजन् 6. युष्मद् 7. अस्मद् 8. विद्वस्।

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक मंत्र की व्याख्या संस्कृत माध्यम और एक मंत्र की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी माध्यम से (8+8=**16 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय से दो मंत्रों की सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय से दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या (2×4=8) और दो वाक्यों के रेखाकिंत पदों में प्रयुक्त विभक्ति का नामोल्लेख एवं विधायक सूत्र लेखन (2×4=8)। इकाई पंचम के दो भाग (अ) दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या (2×4=8) और (ब) दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि (2×4=8)।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–

विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ –

1. ऋग्भाष्य संग्रह – डॉ. देवराज चानना
2. ऋक् सूक्त संग्रह – डॉ. हरि दत्त शास्त्री
3. वैदिक सूक्त मुक्तावली –डा. सुधीर कुमार गुप्त एवं डॉ. युगल किशोर मिश्र
4. वैदिक साहित्य व संस्कृति – पं. बलदेव उपाध्याय
5. ईशावास्योपनिषद् – गीता प्रेस, गोरखपुर
6. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – डॉ. सुभाष वेदालङ्कार एवं श्री शास्त्री
7. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – श्रीमती सुदेश नारंग
8. शुकनासोपदेश (कादम्बरी से) – डॉ. यशवंत कुमार जोशी
9. लघु सिद्धान्त कौमुदी – पं. भीमसेन शास्त्री
10. सिद्धान्त कौमुदी कारक प्रकरण – श्री मोहन वल्लभ पन्त
11. सिद्धान्त कौमुदी कारक प्रकरण – श्री अर्कनाथ चौधरी